समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

एक छोटे कमरे से बना बड़ा ब्रांड : श्री कालिका डोअर्स की प्रेरणादायक सफलता गाथा।

Publisher

Published on 02 Jul 2025

SHREE KALIKA DOORS

आहिल्यानगर के गणेश काचरू दहीवाले ने जीरो से शुरू कर खड़ा किया करोड़ों का डोर मैन्युफैक्चरिंग ब्रांड — जानिए उनके संघर्ष, समर्पण और सफलता की कहानी।

श्री कचरू दहीवाले,
डायरेक्टर ऑफ़ श्री
कालिका डोअर्स

एक छोटे से कमरे से शुरुआत

महाराष्ट्र के **आहिल्यानगर** में जन्मे **गणेश काचरू दहीवाले** का कोई **व्यापारिक बैकग्राउंड** नहीं था। न पूंजी, न परिवार का सपोर्ट — सिर्फ एक सपना और मेहनत करने की जिद। साल 2009 में उन्होंने **श्री कालिका डोअर्स** की नींव रखी। उस वक्त वे खुद दिनभर मेहनत कर एक छोटे कमरे में रोज़ाना चार दरवाज़े बनाते थे।

हर दिन उनके लिए एक चुनौती था — **पैसे की कमी, अनुभव का अभाव** और **मार्केट मे पंहचान न होना**। लेकिन गणेश ने कभी हार नहीं मानी। अपने कौशल को निखारते गए और धीरे-धीरे ऑर्डर मिलने लगे।

मेहनत, विनम्रता और आत्मविश्वास से बनी पहचान

शुरुआती दौर में संघर्ष भरे दिन थे, लेकिन हर कठिनाई से कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने उत्पादन की हर प्रक्रिया में खुद को शामिल किया, कारीगरों को सीखा और स्थानीय लोगों की जरूरतों को समझा। दोस्तों का साथ, माता-पिता का आशीर्वाद और

खुद की लगन ही उनके सबसे बड़े हथियार बने।

धीरे-धीरे काम बढ़ा, ग्राहक बढ़े, और अब उनके पास दो फैक्ट्रियां हैं, जिनमें दर्जनों स्थानीय लोग काम करते हैं।

ग्राहक की पसंद को प्राथमिकता देने वाला ब्रांड

गणेश का मानना है कि घर सिर्फ दीवारों का ढांचा नहीं, बल्कि एक सपना होता है — और उसका मुख्य द्वार उसका चेहरा। इसी सोच के साथ उन्होंने अपने डोर **प्रोडक्ट्स** को पूरी तरह **कस्टमाइजेशन** पर केंद्रित किया।

उन्होंने आधुनिक मशीनें खरीदीं जो ग्राहक की पसंद के अनुसार **डिज़ाइन, मटेरियल** और **फिनिश** के अनुसार दरवाज़े बना सकें। इसी व्यक्तिगत स्पर्श ने **श्री कालिका डोअर्स** को दूसरों से अलग और ग्राहकों के दिलों के करीब बना दिया।

एक बढ़ती हुई विरासत

आज **श्री कालिका डोअर्स** सिर्फ **आहिल्यानगर** ही नहीं, बल्कि आसपास के ज़िलों में भी अपनी **गुणवत्ता** और भरोसे के लिए पहचाना जाने वाला नाम है। जहां एक समय में सिर्फ 4 दरवाज़े बनते थे, आज वे दर्जनों की संख्या में **उच्च गुणवत्ता** वाले दरवाज़ों का निर्माण कर रहे हैं।

यह सिर्फ एक कारोबारी सफलता नहीं, बल्कि **ईमानदारी, समर्पण** और **सेवा की कहानी** है। गणेश आज भी अपने मूल्यों पर कायम हैं और नई पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा बन चुके हैं।

हर दरवाज़े के पीछे एक सपना है

गणेश काचरू दहीवाले की कहानी हमें यह सिखाती है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी सपना बड़ा नहीं होता। **श्री कालिका डोअर्स** सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि उन लाखों लोगों की उम्मीद है जो छोटे से शुरू कर बड़ी उड़ान भरना चाहते हैं।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.